मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.एस.एच.एस.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.टी.टी.-043 : अनुवाद सिद्धांत और सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में और प्रश्न संख्या **9** में लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. पारिभाषिक अर्थ में 'अनुवाद' शब्द की विकासयात्रा पर प्रकाश डालिए। 20

2. 'अनुवाद और नवलेखन' विषय पर निबंध लिखिए। 20

3. 'अनुवाद की सीमाएँ' और 'अननुवाद्यता' से आप क्या समझते हैं ? साहित्यिक पाठ के स्तर पर इनकी सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

4. प्रमुख आधुनिक भारतीय अनुवाद सिद्धांतकारों के अनुवाद सिद्धांतों का परिचय दीजिए। 20

5. पश्चिम के आधुनिक अनुवाद सिद्धांतों से संबंधित प्रमुख स्कूलों का परिचय दीजिए। 20

6. उत्तर-आधुनिकता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 20

7. भाषा की संरचनावादी और उत्तर-संरचनावादी अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अनुवाद की चुनौतियों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

8. 'ब्रिटिश शासनकालीन सिंधी साहित्य की अनुवाद परंपरा' का विवेचन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

   (क) प्राचीन भारत का राजकाज और अनुवाद चिंतन

   (ख) ज्ञान फलक का विस्तार और अनुवाद

   (ग) सिंधी और हिंदी भाषा का संबंध

   (घ) सिंधी शब्दकोश परंपरा और पाश्चात्य विद्वान

× × × × × × ×